



५५

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 259]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 10, 1992/ज्येष्ठ 20, 1914

No. 259]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 10, 1992/JYAIKTHA 20, 1914

इस भाग में भिन्न पाँच संख्या वाली जाती है जिससे यह असग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

दूर संचार मंत्रालय

(दूर संचार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 जून, 1992

सा. का. नि. 587 (य)---केंद्रीय सरकार, भारतीय तार प्रधिनियम,
1885 (1885 का 13) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए, भारतीय तार नियम, 1951 का और संशोधन करने के लिए निम्न-
लिखित नियम बनाती है, यथात्---

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय तार (तृतीय मंशोधन)
नियम, 1992 है।

(2) ये 15 जून, 1992 को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 में (जिन्हें इसमें इसके पश्चात्
उक्त नियम कहा गया है) नियम 2 में खंड (य य य) के पश्चात् निम्न-
लिखित छंड अन्तःस्थापित किए जाएंगे, यथात्---

"(य य य) कम दूरी प्रभारण थेट्र (एस डी सी ए) से ऐसे अनेक क्षेत्रों
में से कोई क्षेत्र अभिप्रेत है जिसमें तार प्राविकारी ने लंबो दूरी

प्रभारण क्षेत्र को विभाजित कर दिया है और जिसे इक कालों को
प्रभारित करने के उद्देश्य से यथा घोषित किया है। (य य य) कम
दूरी प्रभारण थेट्र (एस डी सी ए) से किसी कम दूरी प्रभारण क्षेत्र
में तार प्राविकारी वाला इक कालों का प्रभारित करने के लिए यथा
घोषित कोई विनियिष्ट एकावेंश भवित्वेत है"।

3. उक्त नियमों के नियम 451 में---

(i) मद (क) और उसके नीचे की सारणी 1 के स्थान पर निम्न-
लिखित रखा जाएगा, यथात्---

"(क) एक ही कम दूरी प्रभारण थेट्र में स्थित एकावेंशों और
स्थानीय थेट्र से बाहर किन्तु एक ही सीमा वाले एकावेंशों
के बीच इक कालों के प्रभार दरें नीचे दो गई सारणी 1 की
मद 'क' में विनियिष्ट हैं।

(कक) एक ही लंबी दूरी प्रभारण थेट्र या पारवेस्य लंबी दूरी
प्रभारण क्षेत्रों में आने वाले दो कम दूरी प्रभारण क्षेत्रों में स्थित
एकावेंशों के बीच इक कालों के प्रभार उक्त सारणी की मद
'क' में यथा विनियिष्ट एकावेंश कम दूरी वाले प्रभारण केन्द्रों
के बीच वित्त दूरी के आधार पर होंगे।

(क य) 51 कि. मी. से 100 कि. मी. तक की दूरी के स्लैब के लिए न्यूनतम प्रभार के अधिकारी रहते हुए दो लंबांग लंबी दूरी प्रभारण केन्द्रों में स्थित एकसचेजों के बीच ट्रंक कालों के प्रभार उक्त सारणी की मद 'ख' में यथा विनियिट संबद्ध लंबी दूरी प्रभारण केन्द्रों के बीच त्रिज्य दूरी के आधार पर होंगे।

सारणी 1

मैन्युअल ट्रंक काल	प्रभार
क. एक ही कम दूरी प्रभारण क्षेत्र में स्थित एकसचेजों के बीच काल और स्थानीय क्षेत्र रो वाहर स्थित किन्तु एक ही सीमा पात्र एकसचेजों के बीच काल, दूरी पर विचार किए बिना	जैसा कि नीचे मद "ख" के अधीन दर्शाई दी "20 कि. मी. तक" की स्लैब के लिए है।
ख. उपरोक्त मद "ख" के अधीन न आने वाले मामले:-	

किन्हीं दो कम दूरी प्रभारण केन्द्रों के बीच या किन्हीं दो लंबी दूरी प्रभारण केन्द्रों के बीच त्रिज्या दूरी	प्रभार	रु. पै.
20 किलोमीटर तक	5.00	
20 कि. मी. से अधिक किन्तु 50 कि. मी. से अधिक नहीं	8.00	
50 कि. मी. से अधिक किन्तु 100 कि. मी. से अधिक नहीं	15.00	
100 कि. मी. से अधिक किन्तु 200 कि. मी. से अधिक नहीं	25.00	
200 कि. मी. से अधिक किन्तु 500 कि. मी. से अधिक नहीं	45.00	
500 कि. मी. से अधिक किन्तु 1000 कि. मी. से अधिक नहीं	55.00	
1000 कि. मी. से अधिक	75.00	

(ii) मद (ग) में, "किन्हीं दो एकसचेजों या दो लंबी दूरी प्रभारण केन्द्रों के बीच" शब्दों के स्थान पर "किन्हीं दो कम दूरी प्रभारण केन्द्रों या दो लंबी दूरी प्रभारण केन्द्रों के बीच" शब्द रखे जायेंगे।

4. उक्त नियमों के नियम 451-ख में, उपनियम 3 में खंड (ख) में "किन्तु दो एकसचेजों या दो लंबी दूरी प्रभारण केन्द्रों के बीच" शब्दों के स्थान पर "किन्हीं दो कम दूरी प्रभारण केन्द्रों या लंबी दूरी प्रभारण केन्द्रों के बीच" शब्द रखे जायेंगे।

[सं. 3-16/89-(आर)]

हरि प्रभाकर वागले, अध्यक्ष, दूरसंचार आयोग
और सचिव भारत सरकार

पाद टिप्पण : तारीख 1-9-84 तक संशोधित मूल नियम डाक तार विभाग की नियम पुस्तिका खंड (1), विधायी अधिनियम भाग 2 छठा संस्करण द्वारा प्रकाशित किए गए थे जिनको निम्नलिखित द्वारा पश्चात्तर्वा संशोधन किया गया :—

- सा.का.नि. 553 (अ) तारीख 27-3-1986
- सा.का.नि. 1237(अ) तारीख 28-11-1986

- सा.का.नि. 377(य) तारीख 9-4-1987
- सा.का.नि. 837(अ) तारीख 5-10-1987
- सा.का.नि. 989 (अ) तारीख 17-12-1987
- सा.का.नि. 337(य) तारीख 11-3-1988
- सा.का.नि. 361(अ) तारीख 21-3-1988
- सा.का.नि. 626 (अ) तारीख 17-5-1988
- सा.का.नि. 811 (अ) तारीख 15-6-1988 (शुद्धिपत्र)
- सा.का.नि. 734 (अ) तारीख 24-6-1988
- सा.का.नि. 812(अ) तारीख 26-7-1988
- सा.का.नि. 907 (अ) तारीख 7-9-1988
- सा.का.नि. 910(अ) तारीख 9-9-1988
- सा.का.नि. 1034(अ) तारीख 2-11-1988
- सा.का.नि. 1169 (अ) तारीख 12-12-1988 (शुद्धिपत्र)
- सा.का.नि. 865 (अ) तारीख 29-9-1989
- सा.का.नि. 413 (अ) तारीख 29-3-1990
- सा.का.नि. 933 (अ) तारीख 3-12-1990
- सा.का.नि. 985 (अ) तारीख 20-12-1990
- सा.का.नि. 237 (अ) तारीख 25-4-1991 (शुद्धिपत्र)
- सा.का.नि. 251 (अ) तारीख 2-5-1991 (शुद्धिपत्र)
- सा.का.नि. 543(अ) तारीख 21-5-1992

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th June, 1992

G.S.R. 587(E).—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Telegraph (Third Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the 15th June, 1992.

2. In the Indian Telegraph Rules, 1951, (hereinafter referred to as the "said rules") in rule 2, after clause (zzc), the following clauses shall be inserted, namely:—

"(zzd) Short Distance Charging Area (SDCA) means one of the several areas in which a long distance charging area is divided by the telegraph authority and declared as such for the purpose of charging for trunk calls.

(zzj) Short Distance Charging Centre (SDCC) means a particular exchange in a short distance charging area declared as such by the telegraph authority for the purpose of charging trunk calls."

3. In rule 451 of the said rules,

(i) for item (a) and Table 1 thereunder, the following shall be substituted, namely:—

"(a) the charges for trunk calls between exchanges situated in the same Short Distance Charging Area, and between exchanges located outside the local area but with common border shall be at the rate, specified in item 'A' of the Table 1 hereunder,

(aa) The charges for trunk calls between exchanges situated in two Short Distance Charging Areas lying in the same Long Distance Charging Area or in adjacent Long Distance Charging Area shall be on the basis of radial distance between the respective Short Distance Charging Centres as specified in item 'B' of the said Table.

(ab) The charges for trunk calls between exchanges situated in two non-contiguous Long Distance Charging Areas shall be on the basis of radial distance between the respective Long Distance Charging Centres, as specified in item 'B' of the said Table, subject to a minimum charge as for the distance slab of 51 kms. to 100 kms.

TABLE I

MANUAL TRUNK CALLS	CHARGES
A. Calls between the exchanges within the same Short Distance Charging Area, and calls between exchanges located outside the local area but with common border, irrespective of distance.	As for the slab of 'Upto 20 kms', shown under item 'B' below.
B. Cases not falling under item 'A' above.	
Radial distance between any two Short Distance Charging Centres or between any two Long Distance Charging Centres	Charges P. S. P.
Upto 20 kilometres.	5—00
Exceeding 20 kms. but not exceeding 50 kms.	8—00
Exceeding 50 kms. but not exceeding 100 kms.	15—00
Exceeding 100 kms. but not exceeding 200 kms.	25—00
Exceeding 200 kms. but not exceeding 500 kms.	45—00
Exceeding 500 kms. but not exceeding 1000 kms.	55—00
Exceeding 1000 kms.	75—00."

(ii) in item (c), for the words "between any two exchanges or Long Distance Charging Centres", the words "between any two Short Distance Charging Centres or two Long Distance Charging Centres" shall be substituted.

4. In rule 451 - B of the said rules, in sub-rule (3) in clause (b), for the words "between any two exchanges or two Long Distance Charging Centres", the words "between any two Short Distance Charging Centres or Long Distance Charging Centres", shall be substituted.

[No. 3-16/89-(R)]

H.P. WAGLE, Chairman, Telecom Commission
and Secy. to the Govt. of India

FOOT NOTE :

The principal rules (as amended up to 1-9-84) have been published in the P&T Manual volume I, Legislative Enactments, Part II, Sixth Edition, these have subsequently been amended as under:—

1. GSR 553 (E), dated 27-3-1986.
2. GSR 1237 (E), dated 28-11-1986.
3. GSR 377 (E), dated 9-4-1987.
4. GSR 837 (E), dated 5-10-1987.
5. GSR 989 (E), dated 17-12-1987.
6. GSR 337 (E), dated 11-3-1988.
7. GSR 361 (E), dated 21-3-1988.
8. GSR 626 (E), dated 17-5-1988.
9. GSR 811 (E), dated 15-6-1988 (Corrigendum).
10. GSR 734 (E), dated 24-6-1988.
11. GSR 812 (E), dated 26-7-1988.
12. GSR 907 (E), dated 7-9-1988.
13. GSR 916 (E), dated 9-9-1988.
14. GSR 1054 (E), dated 2-11-1988.
15. GSR 1169(E), dated 12-12-1988 (Corrigendum)
16. GSR 865 (E), dated 29-9-1989.
17. GSR 413 (E), dated 29-3-1990.
18. GSR 933 (E), dated 3-12-1990.
19. GSR 985 (E), dated 20-12-1990.
20. GSR 237 (E) dated 25-4-1991 (Corrigendum)
21. GSR 251 (E), dated 2-5-1991 (Corrigendum).
22. GSR 543 (E), dated 21-5-1992.

